

वहाँ विभिन्न प्रकार के खनिज धौर धातु बड़ी मात्रा में पाये गये हैं,

(ख) उन स्थानों के २ । क्या है जहाँ यह कार्य प्रगति पर है तथा उसका व्यौरा क्या है ,

(ग) शेष स्थानों पर कार्य कब तक प्रारम्भ हो जायेगा तथा खनिजों उपयोग में लाने का कार्य कब तक प्रारम्भ होगा , धौर

(घ) उसके परिणामस्वरूप अनुमानत, कितने व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा तथा इस संबंध में श्रेणीवार व्यौरा क्या है ?

इस्पात धौर खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) (क) धौर (ख). भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किए गए भूवैज्ञानिक अन्वेषणों के परिणाम स्वरूप कुमाऊँ धौर गढ़वाल के हिमालयों में चूना पत्थर, डोलोमाइट, मैग्नेसाइट, टाल्क, फास्फोराइट, जिप्सम धौर बेरीटस के अनेक निक्षेप अवस्थित किए गए हैं। झल्मोडा, पिथौरागढ़ धौर चमोली जिलों में ताँबे, सीसा, धौर जस्ता के प्राप्ति-स्थल भी अवस्थित किए गए हैं। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा उत्तर प्रदेश के हिमालयों के सभी जिलों में भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। कुमाऊँ के हिमालयों में फास्फोराइट, पिथौरागढ़ जिले में मैग्नेसाइट धौर पिथौरागढ़ जिले के झलकोट क्षेत्र में, चमोली जिले के पोखरी धौर धानपुर क्षेत्रों में आषाढ धातुओं के लिए कार्य प्रगति पर है।

(घ) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का आगामी पाँच-छः वर्षों में व्यवस्थित भूवैज्ञानिक मानचित्रण द्वारा पर्याप्त क्षेत्रों में सर्वेक्षण करने का कार्यक्रम है। भूवैज्ञानिक

सर्वेक्षण धौर खनिज समन्वेषण सतत प्रक्रियाएँ हैं धौर इन्हें पर्याप्त कालावधि के लिए जारी रखा जाएगा।

झल्मोडा के मैग्नेसाइट निक्षेपों का समुप-योजन का उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहले ही सक्रियतापूर्वक किया जा रहा है। देहगढ़ के चूना पत्थर निक्षेप समुपयोजनाधीन हैं। जिप्सम धौर टाल्क को भी यत्रयत्र समुपयोजित किया जा रहा है। जहाँ तक फास्फोराइट निक्षेपों का संबंध है, समुपयोजन की मायंकता का परीक्षण तब किया जा मकेगा जबकि विकासशील अभिकरणों द्वारा काय संपूरित किया जाएगा जो कि इस समय उन अभिकरणों द्वारा किया जा रहा है।

(घ) जानकारी एकत्र की जा रही है धौर प्राप्त होने पर उसे सभा पटल पर रखा जाएगा।

Retrenchment of Workers in Madhugar Colliery, Raniganj

1251 SHRI MADHURYA HALDAR Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether in Madhugar Colliery, Raniganj West Bengal, the management has retrenched 11 workers

(b) whether this action of the management is a violation of the agreements with the workers

(c) whether the police have been restoring to large-scale arrest of leading workers in order to suppress their resistance, and

(d) what steps Government are contemplating to redress the grievances of the workers?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND REHABI-

LITIGATION (SHRI BALGOVIND VERMA):

(a) to (d). It is presumed that the information sought is in respect of Madhujere Colliery. It is learnt that the management of the Colliery charge-sheeted 11 workmen on 8-1-1971 and subsequently dismissed them after holding a domestic enquiry for assaulting the unit supervisor and a clerk of the colliery. The police too are reported to have investigated the matter, and made one arrest, on the basis of a complaint lodged by the management. The dispute regarding the dismissal of the 11 workmen has since been referred for arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947

Distribution of Steel to Calcutta Metropolitan Development Authority

1252. SHRI S. C. SAMANTA : Will the Minister of STEEL AND MINES be please to state :

(a) the demand of different categories of steel and steel materials by Calcutta Metropolitan Development Authority and how much has already been supplied,

(b) whether works on different projects of Calcutta Metropolitan Development Authority could not proceed timely and regularly because of non-supply of demanded materials; and

(c) if so, the steps taken to see that orders are promptly supplied?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) to (c). Although the Calcutta Metropolitan Development Authority indicated a requirement of 1546 tonnes of steel for the period April-June, 1971, their demands were not received in time for normal allocation by the Steel Priority Committee. With special efforts, however, it was possible to earmark about 604 tonnes for them from the Reserves.

2. For the period July-September, 1971¹ against the indicated demand for 8,992 tonnes, the Steel Priority Committee were able to allocate 592 tonnes, in the context of the low availability for allocation compared to the total requirements of all priority sectors. As a substantial part of their requirements are bars and rods, which are still available for allocation from other sources, the Iron & Steel Controller has been asked to help them to the maximum extent possible when finalising those allocations.

नई दिल्ली, नार्थ एवेन्यू स्थिति "एम० पीस कोल कम्पनी" नामक कोयला डिपो में कोयले की कमी

1253. श्री विभूति मिश्र : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली के नार्थ एवेन्यू स्थित "एम० पीस कोल कम्पनी" नामक कोयला डिपो अपनी सुविधानुसार बार-बार कोयले की कीमतों में परिवर्तन करता रहा है।

(ख) यदि हाँ, तो क्या एक महीने के दौरान समस्त सदस्यों से विभिन्न कीमतें वसूल की गई हैं ;

(ग) क्या उक्त डिपो में सदैव ही कोयले की कमी रहती है ; और

(घ) यदि हाँ, तो इस क्षेत्र के संसद सदस्यों को उचित कीमत पर और पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध कराने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?